

P. No. 25

16/8/16

अभिलेख तयस्थापित किया गया। आग इस्तफा किया किया गया। तामिल प्रतिवेदन प्राप्त है। किसी ने कोई अपील नहीं किया है। इ. कर्म / अं. नि. का बीच प्रतिवेदन देखा। इन्होंने प्रतिवेदन किया है कि प्रत्यगत जमीन स्थिति में छात्र / जमास्त छात्र की है। जिसकी नपावन्दी पंजी ॥ के फूट सं. 257/1 पर दर्ज है एवं बिजला के नाम पर 6/15/1914 नं. 6/15/1914 से जायज है। जमीन भूदान भूदान बंदी बन सीमा एवं स्थिति से बाहर है। जमीन पर जेता का शांतिपूर्ण दखल है। ज्ञातेदित भूमि के नमांतरण हेतु अनुशांसा किया गया है।

अतः इ. कर्म एवं अं. नि. के बीच प्रतिवेदन के आधार पर निम्नांकित विवरण की भूमि का नमांतरण जेता

क्र/अं.पं.नि	खपन	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि
पिता/पति	खपन 6/15/1914	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि
के नाम से	खपन 6/15/1914	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि
क्र/अं.पं.नि	खपन 6/15/1914	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि	क्र/अं.पं.नि
अं.पं.नि	3	175	3 1/2	
		178	3	
		179	3	
		176	3 1/2	
90				

संयोजित महायुक्त तदनुसार ग्रांट पत्र निम्न के 128-

संख्यापति

अं.पं.नि अधिकारी
देवरी

अं.पं.नि अधिकारी
देवरी

गृहि दश निर्गत किया गया। इस्ता कार्यागरी एक सत्याह के अन्त अनुपालन प्रतिवेदन है।

अं.पं.नि अधिकारी
देवरी

खपन 6/15/1914